कामाग्नि को योग की ठंडी अग्नि से निरस्त करें : राजयोगी बृजमोहन भाई

आबू पर्वत, ज्ञानसरोवर, ०६ सितंबर २०१४। आज ज्ञानसरोवर के यूनीवर्सल हार्मनी हॉल में ब्रह्माकुमारीज एवं इसकी भगिनी संस्था आर ई आर एफ के तत्वावधान में इसके राजनीतिक प्रभाग द्वारा एक अखिल भारतीय सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसका विषय था, राजनेताओं का आध्यात्मिक सशक्तिकरण। इस सम्मेलन का उद्घाटन दीप प्रज्वलित करके संपन्न हुआ। सम्मेलन में नेपाल के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

राजनीतिज्ञ प्रभाग के अध्यक्ष राजयोगी बृजमोहन भाई ने आज के कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अपने उद्गार कुछ इस प्रकार से प्रकट किये। आपने कहा कि आज हमारे देश की दशा विचित्र है। धनवान और धनवान बन रहा है तथा गरीब और गरीब बनता जा रहा है। अब चारों ओर घोर अंधियारा छाया हुआ है। द्रोपदियाँ पुकार रही हैं। इस स्थिति को क्या कोई इंसान ठीक कर सकता है? प्रयत्न अनेक किये गये और किये भी जा रहे हैं मगर परिस्थिति बदल नहीं रही है।

विश्व में छाये इस अंधकार को सिर्फ परमात्मा ही दूर कर सकते हैं, कोई और नहीं। आज के इस जमाने में घर के ४ व्यक्ति भी मिल कर नहीं रह पाते जबकि इस संस्थान में पूरी दुनियाँ के अनेक लोग मिलकर प्रेम से रह रहे हैं। दुनियॉ में लगी कामाग्नि को ब्रह्माकुमारियाँ योग की ठंडी अग्नि से निरस्त कर रही हैं। आज सभी राजनीतिक पार्टियों के लोग मिलकर स्वर्णिम भारत निर्माण के लिये एक जुट हो जाएं। विरोध भुला कर एकता स्थापित करें एवं भारत का कल्याण करें। सत्यमेव जयते तब होगी जब सत्य को अपनाएंगे। सत्य है कि हम सभी शरीर नहीं आत्मा हैं जो अजर एवं अमर है। यह शाश्वत है। हमारे सारे मूल्य भी शाश्वत हैं जिनका निवास आत्मा में ही है। शरीर तो नाशवान है। आत्मा को जाने, खुद को जाने।

अहमदाबाद से पधारीं ब्रह्माकुमारी शारदा बहन ने ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय का परिचय दिया और आए हुए सभी प्रतिनिधियों का स्वागत भी किया। आपने कहा कि पूरी दुनियाँ में यही एक मात्र संस्था है जिसकी स्थापना स्वयं परमपिता परमात्मा ने प्रजापिता ब्रह्मा के साकार माध्यम के द्वारा की है। परमपिता परमात्मा ने इस संस्थान के माध्यम से यहाँ के सभी विद्यार्थियों को आध्यात्मिक नेतृत्व प्रदान किया है।

भ्राता इंद्र बहादुर, सांसद नेपाल ने अपनी शुभकामनाएं सम्मेलन को दीं। आपने नेपाल की जनता की ओर से भी सभी को शुभकामनाएं दीं।

अमर प्रसाद सत्पथी,पूर्व मंत्री उड़ीसा शासन एवं वर्तमान विधायक तथा स्टैंडिंग कमिटी के अध्यक्ष ने अपने उद्गार कुछ इस प्रकार से प्रकट किये। आपने कहा कि यह विश्वविद्यालय रजनेताओं के आध्यात्मिक सशक्तिकरण के लिये जो प्रयास कर रहा है उसका लाभ हम सभी को अवश्य ही प्राप्त होगा। यहाँ हमें कुछ प्रकट नहीं करना है बल्कि हम सभी को यहाँ काफी कुछ महसूस करना है और इसका लाभ प्राप्त करना है। यहाँ के भाई बहने शांति से एक साथ रह कर दुनियाँ को आध्यात्मिकता की शिक्षाप्रदान करते हैं। यहाँ अनेकता में एकता है और भाई चारा है जो ईश्वरीय शक्ति का ही परिणाम है। इनसे हमें यही सब कुछ सीखना है।

भ्राता थोकचंद मेनिया, सांसद मणिपुर, एच आर डी स्टैंडिग कमिटी के सदस्य ने कहा कि अभी अभी हम सभी ने महसूस किया कि किस प्रकार से योगाभ्यास के द्वारा आध्यात्मिक सशक्तिकरण होता है। यह काफी राहत देने वाला है। ब्रह्माकुमारी बहनें राजनेताओं की सेवा करना चाहती हैं ताकि वे संसार की सेवा कर सकें। धार्मिकता कुछ काफी गहरी चीज है जिसकी तलाश में मैं हूँ। आशा है कि वो मुझे यहाँ प्राप्त होगा।

आम आदमी पार्टी, दिल्ली शासन के पूर्व कानून मंत्री सोमनाथ भारती ने भी अपनी बात रखी। आपने कहा कि यहाँ एक अभूतपूर्व प्रयोग जारी है इस प्रयोगशाला में , वह है राजयोग का ध्यानाभ्यास। यह प्रयोग अगर सफल रहा तो भारत की राजनीति का कल्याण होगा। मैं राजनीति के आध्यात्मीकरण का पक्षधर हूँ। यहाँ करीब १०लाख ब्रह्मचारी हैं - यह एक अद्भुत बात है। अगर राजनीतिज्ञ सुधर गये तो

देश सुधरेगा। आप अपनी शक्ति से कुछ भी कर सकते हैं। राजनीति एंव राजनीतिज्ञों के आध्यात्मीकरण से ही होगा देश का कल्याण। बिहार से पधारे राजनीतिज्ञ अनिल जी ने भी अपने उद्गार रखें।

ज्ञानसरोवर की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी सुमन बहन ने योगाभ्यास करवा कर शांति एवं आनंद की अनुभूति करवायी।

ओ आर सी की निदेशक राजयोगिनी आशा बहन ने कार्यक्रम का संचालन किया। पूर्व विधायक ब्र.कु.मोहन पटेल ने अपना अनुभव सुनाया। भक्ति के फलस्वरूप उनको परमात्मा के इस ज्ञान की प्राप्ति हो गई । राजयोग के अभ्यास से उन्होंन अपने जीवन को परिवर्तित किया। ***(रपट : बी के गिरीश, ज्ञानसरोवर)***